नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

No. of Printed Pages — 11

S—96—Hindi (D & D)

माध्यमिक (मूक बधिर) परीक्षा, 2013

हिन्दी

समय : $4\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5. प्रश्न संख्या 2, 4, 6, 8 तथा 9 में आन्तरिक विकल्प हैं ।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जिन्हें धन-वैभव प्यारा है, साहित्य-मन्दिर में उनके लिए कोई स्थान नहीं है। यहाँ तो उन उपासकों की आवश्यकता है, जिन्होंने सेवा को ही अपने जीवन की सार्थकता मान लिया हो, जिनके दिल में दर्द की तड़प हो और मुहब्बत का जोश हो। अपनी इज्जत तो अपने हाथ है। अगर हम सच्चे दिल से समाज की सेवा करेंगे तो मान, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि सभी हमारे पाँव चूमेगी। फिर मान-प्रतिष्ठा की चिन्ता हमें क्यों सताये ? और उसके न मिलने से हम निराश क्यों हों ? सेवा में जो आध्यात्मिक आनन्द है, वही हमारा पुरस्कार है—हमें समाज पर अपना बड़प्पन जताने, उस पर रौब जमाने की हवस क्यों हो ? दूसरों से ज्यादा आराम के साथ रहने की इच्छा भी हमें क्यों सताये ? हम अमीरों की श्रेणी में अपनी गिनती क्यों करायें ? हम तो समाज के झण्डा लेकर चलने वाले सिपाही हैं और सारी जिन्दगी के साथ ऊँची निगाह हमारे जीवन का लक्ष्य है। जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी नहीं हो सकता।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

ii) साहित्य के मन्दिर में किसके लिए कोई स्थान नहीं है ? 2

iii) सच्चे मन से समाज-सेवा करने के क्या परिणाम मिलते हैं ? 2

iv) सेवा करने पर हमें क्या मिलता है ?

(अ) स्वार्थमय जीवन (ब) आध्यात्मिक आनन्द

(स) इज्जत की बदनामी (द) अमीरों की नौकरी। 1

v) सच्चा कलाकार ..... जीवन का प्रेमी नहीं हो सकता।

(अ) प्रेम मय (ब) स्वार्थ मय

(स) प्रतिष्ठा मय (द) निराशा युक्त। 1

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

माटी, तुझे प्रणाम !
मेरे पुण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण-भर ही भूल गया मैं शत्रु यंत्रणा क्रूर
सुख-स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम
माटी तुझे प्रणाम।
तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धन्य हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम।
माटी तुझे प्रणाम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ii) प्रस्तुत पद्य में किसे प्रणाम किया गया है ? $1\frac{1}{2}$

(iii) किसके दर्शनों को आँखें तरसती रहती हैं ? $1\frac{1}{2}$

(iv) ''सफल'' शब्द का विलोम है

(अ) असफल (ब) फल

(स) लफस (द) फसल। 1

(v) ''शत्रु'' शब्द का समानार्थक है

(अ) दुश्मन (ब) दोस्त

(स) सहोदर (द) पड़ोसी। 1

अथवा

मन मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन सा है ?
जिसका चरण निरन्तर रत्नेश धो रहा है,
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही है
सींचा हुआ सलौना, वह देश कौन सा है,
जिसके बड़े रसीले फल, कन्द नाज मेवे,
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौनसा है
जिसमें सुगन्ध वाले, सुन्दर प्रसून प्यारे,
दिन रात हँस रहे हैं, वह देश कौन सा है,
मैदान, गिरि, वनों में, हरियालियाँ लहकतीं
आनन्दमय जहाँ है, वह देश कौनसा है।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 2

(ii) रत्नेश किसके चरण धोता है ? $1\frac{1}{2}$

(iii) प्रकृति की गोद में कौन बसा है ? $1\frac{1}{2}$

(iv) ''रत्नाकर'' का शाब्दिक अर्थ हैं

(अ) सागर (ब) नदी

(स) तालाब (द) पोखर। 1

(v) ''गिरि'' शब्द का पर्यायवायी है

(अ) पर्वत (ब) मैदान

(स) खेत (द) टीला। 1

खण्ड - ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 15 पंक्तियों में निबन्ध लिखिए : 8

(अ) प्रिय नेता (ब) ईद या दशहरा

(स) आवागमन के साधन (द) दूरदर्शन।

4. स्वयं को राघवेन्द्र कक्षा 10 का छात्र मानते हुए बोर्ड परीक्षा शुल्क जमा कराने हेतु 500/- मँगाने के लिए, अपने पिताजी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वयं को मंजुल मिश्रा मानकर अपने हरिद्वार निवासी मित्र को पत्र लिखिए जिसमें आपके जन्मदिन का आमन्त्रण वर्णित हो। 5

5. (i) विशेषण किसे कहते हैं ? 2

(ii) ''राम धीरे-धीरे खाता है'' वाक्य में क्रिया विशेषण छाँटिए। 2

(iii) ''माताजी बाजार जाती है'' वाक्य में अकर्मक क्रिया छाँटिए। 2

(iv) सरल वाक्य की परिभाषा लिखिए। 2

(v) निम्नलिखित सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलिए :

''मोहिनी गाती हुई नाच रही है।'' 2

(vi) ''नौ दो ग्यारह होना'' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 2

(vii) ''काला अक्षर भैंस बराबर'' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए। 2

खण्ड - ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मन की मन ही माँझ रही।

कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कहीं।

अवधि अधार आस आवन की, तन मन विथा सही।

अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि बिरहिनि बिरह दही।

चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं घार बही।

''सूरदास'' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।

(i) गोपियों की मन की इच्छा उनके मन में क्यों रह गई ? 2

(ii) उद्धव से योग संदेश सुनकर गोपियों पर क्या प्रभाव पड़ा ? 2

अथवा

जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में

अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधु माया में

उसकी स्मृति पाथेय बनी है, थके पथिक की पंथा की

सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कथा की ?

(i) 'अरुण कपोलों' से क्या आशय है ? स्पष्ट करें। 2

(ii) कथा से कवि क्या कहना चाहता है ? 2

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकड़ी क्यों कहती हैं ? 2

(ii) गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम किसने किया ? 2

(iii) ''मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई'' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(iv) कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है ? 2

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया

प्रभुता का शरण-बिम्ब केवल मृगतृष्णा है

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन

छाया मत छूना

मन होगा दुख दूना।

(i) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त भाषा का नाम लिखिए। 1

(ii) कवि प्रभुता की शरण को क्या मानता है ? 1

(iii) कवि को क्या कठिन लगता है ? 1

(iv) कवि किसका पूजन करने को कहता है ? 1

(v) कवि ने छाया छूने के लिए क्यों मना किया है ? 1

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँक कर

अपने चेहरे पर मत रीझना

आग रोटियाँ सेंकने के लिए है

जलने के लिए नहीं

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन है स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसा दिखाई मत देना

(i) प्रस्तुत पद्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है ? 1

(ii) वस्त्र और आभूषण को बंधन क्यों कहा गया है ? 1

(iii) ''अपने चेहरे पर मत रीझना'' पंक्ति का क्या आशय है ? 1

(iv) आग का उपयोग किसके लिए करना चाहिए ? 1

(v) ''आग जलने के लिए नहीं'' ऐसा क्यों कहा गया ? 1

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बल बूते और हौसले से अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को

आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम से कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकाक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती थरथराती रहती थीं।

(i) अजमेर आने के बाद लेखिका के पिताजी ने क्या प्रारम्भ किया ? 2

(ii) लेखिका के पिताजी बच्चों को कौन से काम से दूर रखते थे ? 2

अथवा

क्या करें मियाँ, ई काशी छोड़कर कहां जाएँ, गंगा मइया यहाँ, बाबा विश्वनाथ यहाँ, बालाजी का मंदिर यहाँ, यहाँ हमारे खानदान की कई पुश्तों ने शहनाई बजाई है, हमारे नाना तो वहीं बालाजी मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज रह चुके हैं। अब हम क्या करें, मरते दम तक न यह शहनाई छूटेगी न काशी। जिस जमीन ने हमें तालीम दी, जहाँ से अदब पाई, वो कहाँ और मिलेगी ? शहनाई और काशी से बढ़कर कोई जन्नत नहीं है इस धरती पर हमारे लिए।

(i) उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते थे ? 2

(ii) उस्ताद के नानाजी काशी में क्या काम करते थे ? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए :

(i) फादर बुल्के को भारतीय संस्कृति का अंग किस आधार पर कहा गया है ? 2

(ii) ''एक कहानी यह भी'' पाठ के आधार पर मन्नू जी की स्वाधीनता आन्दोलन में क्या भूमिका थी ? बताइए। 2

(iii) तब की शिक्षा प्रणाली व अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए। 2

(iv) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ? 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(i) शहनाई का उल्लेख कहाँ-कहाँ मिलता है ? $2\frac{1}{2}$

(ii) किन साधनों को असंस्कृति कहा गया है और क्यों ? $2\frac{1}{2}$

(iii) ''स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होता है''—कुतर्कवादियों की इस दलील का खण्डन द्विवेदी जी ने कैसे किया है ? $2\frac{1}{2}$

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए :

(i) जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं। 4

(ii) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया ? 4

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए :

(i) दुलारी का टुन्नू से पहली बार परिचय कहाँ और किस रूप में हुआ ? 2

(ii) सिक्किम की राजधानी का असली नाम क्या है ? उसका अभिप्राय क्या है ? 2

(iii) लोंग स्टॉक में घूमते हुए चक्र को देख कर लेखिका को पूरे भारत की आत्मा एक सी क्यों दिखाई दी ? 2